Today's Poem – 25.07.2014

देह-अभिमान है आसुरी कैरेक्टर

दैवी गुण धारण करने हैं उसे बदलकर

बाबा आया है हम बच्चों को रावण की जेलों से छुड़ाने

और सिविलाइज़्ड बनाने

कभी भी सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास करके अपनी स्थिति खराब नहीं करनी

अन्दर में सफाई रखनी

झूठी बातें सुनकर अन्दर में नहीं जलना

ईश्वरीय मत ले लेना

देही-अभिमानी बनने का पूरा पुरुषार्थ करना

किसी की भी निंदा नहीं करना

फायदा, नुकसान और इज्जत को ध्यान में रखते हुए क्रिमिनल आई को खत्म करना

बाप जो सुनाते हैं उसे एक कान से सुनकर दूसरे से नहीं निकालना

अचल स्थिति के आसन पर बैठना

श्रेष्ठ स्मृति में रहना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!